

17]Σ ἰΟΥΔΑ[

Ende der Seite korrekt

Blatt 64 ↓ : Joh 18,9-14

Beginn der Seite korrekt

PKZ

Stichometrie

| | | |
|----|---|----|
| 01 | μ]ΟΙ ΟΥ[κ α]ΠΩΛ[εσα] ΕΞ Α[υτων ουδ]Ε- | 24 |
| 02 | ΝΑ· ^{18,10} ΣΙΜΩ[ν] ΟΥ[ν πετρος εχων μα]>- | 22 |
| 03 | ΧΑΙΡΑΝ [ει]ΛΚ[υσεν αυτην και επ[Ε- | 25 |
| 04 | ΣΕΝ ¹ ΤΟΝ [δο]ΥΛ[ο]ν [του αρχι]ε[ρεω]Σ> | 24 |
| 05 | ΚΑΙ ΑΠΕ[κοψ]ΕΝ ΤΟ [ωτιον] ΑΥΤΟΥ | 23 |
| 06 | το ΔΕΞΙΟ[ν η]Ν ΔΕ Ο[νομα] ΤΩ ΔΟΥΛ[ω | 24 |
| 07 | μα]ΛΧΟΣ ¹¹ ΕΙΠ[ε]Ν ΟΥ[ν ι]Σ ΤΩ ΠΕΤΡΩ | 23 |
| 08 | βαλε] ΤΗΝ ΜΑχαΙΡΑΝ ΕΙΣ ΤΗΝ [θηκην | 26 |
| 09 | το] ΠΟΤΗΡΙΟΝ Ο ΔΕΔΩΚΕΝ Μ[οι ο πηρ | 25 |
| 10 | μ]ΟΥ ΟΥ ΜΗ ΠΙω ΑΥΤ[ο]· ¹² Η ΟΥΝ Σ[πιρα | 23 |
| 11 | κ]ΑΙ Ο ΧΙΛΙΑΡΧ[ος] ΚΑΙ ὕΠΗΡΕ[ται των | 27 |
| 12 | ι]οΥΔΑΙΩΝ Συ[ν]ΕΛΑΒΟΝ Τ[ον] ἸΝ | 22 |
| 13 | και εδησ]αν ΑΥΤΟ[ν]· ¹³ ΚΑΙ ΗΓΑΓ[ον] ΠΡΟ[ς | 27 |

¹ Korrekt: ΕΠΑΙΣΕΝ.